Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 23-08-2006

Participants : Solanki Shri Bhupendrasinh

an>

Title : Need to conduct a loss assessment survey and provide special relief package to the flood affected people in Godhara Constituency, Gujarat.

श्री भूपेन्द्र सिंह सोलंकी (गोधरा) : उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार देश के अन्य भागों में बाढ़ विभीाका का ताण्डव चल रहा है, उसी तरह से गुजरात राज्य में स्थित मेरा संसदीय क्षेत्र गोधरा भी अछूता नहीं है। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is going on record. Please sit down.

*(Interruptions)**

श्री भूपेन्द्र सिंह सोलंकी : उपाध्यक्ष महोदय, 10,11 और 12 अगस्त को जब कड़ाना और पानम बांध से 13 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया तो मेरे संसदीय क्षेत्र गोधरा के अंतर्गत आने वाला पूरा पंचमहल जनपद और खेड़ा जनपद के बालासिनोर व बीरपुर तहसीलें जलमग्न हो गईं। नदियों के दोनों किनारों पर 5 से 7 किलोमीटर की दूरी तक पानी भर गया जिससे कहीं तो उनकी जमीनों पर टीलें बन गये और कहीं जमीन नाले के रूप में परिवर्तित हो गई। नदियों के साथ-साथ नालों के जरिये पूरे संसदीय क्षेत्र में पानी ही पानी दिखाई देने लगा। इसके परिणामस्वरूप नदियों के किनारे बने। छोटे-छोटे किसानों व गरीबों के छोटे-छोटे लगभग दस हजार से भी ज्यादा मकान धराशायी हो गये। उनकी फसल नट हो गई। बिजली के खंबे गिर गये और उस पर लगे बिजली के तार टूट गये। स्कूल बह गये, पुल टूट गये और सड़कें व पक्के रास्ते क्षतिग्रस्त हो गये। फलस्वरूप मेरे संसदीय क्षेत्र गोधरा के छोटे-छोटे किसानों व गरीबों के पास न तो खाने के लिए अन्न बचा है, न बीज बचा है और न ही उनके रहने के लिए मकान बचा है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :इसके बाद ही मैंने शुरु करना है। अभी फ्लड चल रहा है।

श्री भूपेन्द्र सिंह सोलंकी : उपाध्यक्ष महोदय, उनके पशु भी इस बाढ़ की तेज धारा में बह गये हैं। बाढ़ के कुप्रभाव से उनके खेतों के पास सिंचाई व पानी पीने के लिए बने कुओं का अता-पता नहीं रह गया है, या तो वे जमीन में धंस गये या मिट्टी से भर गये हैं। इस तरह वहां के छोटे किसान व गरीब लोग आश्रयहीन व दानों-दानों के लिए मोहताज हो गये हैं ।

---

*Not Recorded.

यद्यपि राज्य सरकार इन लोगों को राहत देने के लिये भरपूर प्रयास कर रही है लेकिन जैसा कि आपके संज्ञान में है कि गुजरात राज्य के अन्य जिलों - सूरत, आणंद और वडोडरा में भी बाढ़ का प्रकोप है। राज्य सरकार के पास अपने साधन सीमित होने के कारण उन लोगों को पूरी राहत न देने में मजबूर है।

मैं अपने संसदीय क्षेत्र गोधरा में बाढ़ के विनाश का जिक्र कर चुका हूं और अपने दौरे के समय अपनी आंखों से देखा है। इसलिये आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से विशेा अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र गोधरा में बाढ़ की तबाही का जायजा लेने के

लिये केन्द्र सरकार एक केन्द्रीय जांच दल भेजे और उसका सर्वे कराने की कृपा करे। उन लोगों को राहत देने के लिये एक विशेा पैकेज दिया जाये और आवश्यक धनराशि केन्द्र द्वारा वहां भेजने की व्यवस्था की जाये।